वी.यू. में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय लघु पाठ्यक्रम कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन

जबलपुर। आज दिनांक 17 फरवरी 2022 नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत पशु परजीवी विज्ञान विभाग, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में चल रहे 10 दिवसीय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रायोजित लघु पाठ्यक्रम **"एंटीपैरासिटिक दवा प्रतिरोध का पता लगाना एवं उसका रोकथाम"** का सफलतापूर्वक समापन समारोह सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय पूर्व कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल जी, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. एम.के. मेहता, अधिष्ठाता संकाय, डॉ. आर. के. शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर एवं पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. गिरिधारी दास, प्राध्यापक एवं प्रमुख की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरूआत हुई। वस्तुतः माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी, ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर इस कार्यक्रम के प्रेरणास्त्रोत रहे है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को **पशु परजीवियों में बढ़ते एंटीपैरासिटिक दवा प्रतिरोधक का प्रभाव** एवं इनको कम करने हेतु अवगत कराना है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जुड़े विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने–अपने विचार एवं सुझाव साझा किये गये।

इस अवसर पर माननीय कुलपति जी ने विगत दिवसों से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में जुड़े वैज्ञानिकों एवं प्राध्यापकों द्वारा किये गये कार्यों की सराहना करते हुऐ धन्यवाद ज्ञापित किया साथ ही वि.वि. के चहुँमुखी विकास हेतु आवश्यक दिश–निर्देश दिये।

प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के तत्वाधान से आयोजित किया गया जिसके लिए वि.वि. एवं पशु परजीवी विज्ञान विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर आभार व्यक्त करता है।

इस 10 दिवसीय लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम में पाठ्यक्रम निर्देशक डॉ. गिरिधारी दास, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमन कुमार, डॉ. शुभ्रदल नाथ एवं डॉ. रूपेश वर्मा है। 10 दिवसीय लघु पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैज्ञानिकों द्वारा दिये गये शीर्षक पर डॉ. सुमन कुमार, सह.–प्राध्यापक, पशु परजीवी विज्ञान विभाग, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा पी.पी.टी. के माध्यम से साझा किया गया। इस समापन समारोह का संचालन, डॉ. पूनम शाक्या, एवं आभार प्रर्दशन डॉ. सुभ्रदल नाथ द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं संपूर्ण देश से जुड़े वैज्ञानिकों एवं प्राध्यापकों की गरिमामयी उपस्थिति उल्लेखनीय रहीं।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर